एनएफटीई बीएसएनएल की सोच बोनस मिलना चाहिए, बीएसएनएलईयू की सोच बोनस नहीं मिलना चाहिए

कैसे और क्यों

साथियों
जैसा की आप सब को विदित है कि सन् 2008 से बीएसएनएल के कर्मचारियों को बोनस नहीं मिला है और BSNLEU ने इस हेतु अभी तक किसी भी प्रकार का प्रयास नहीं किया है और बीएसएनएल को लगातार घाटे में पहुंचाते हुए कर्मचारियों का बोनस बंद, एल टी सी बंद, टी ए बिल बंद, मेडिकल बंद, ओ टी बंद, आदि सभी आर्थिक श्रोत बंद करा दिया यहाँ तक की 2011 व् 2012 में बीएसएनएल को इस हद तक घाटे में ला दिया था कि बीएसएनएल के प्रबंधन को कर्मचारियों को वेतन देने के लिए बेंको से लोन लेने तक की स्थिति आ चुकी थी आप में से यदि कोई साथी को याद होगा तो यहाँ तक चर्चाएं होने लगी थी कि अब सभी को 15 दिन का वेतन मिलेगा और 15 दिन का वेतन नहीं मिलेगा ऐसी स्थिति में कई कर्मचारियों ने स्वेच्छिक रिटायरमेंट ले लिया परंतु सन् 2013 में एनएफटीई के मान्यता में आते ही बीएसएनएल 2013 व् 2014 में 6 सौ करोड़ से अधिक फायदे में एवं 2015 व् 2016 में 11सौ करोड़ के फायदे में आ गया एवं बोनस के लिए प्रयास करते हुए दो साल का बोनस कर्मचारियों को प्राप्त हो इस हेतु NFTE ने भरसक प्रयास किया कि जो बोनस सन् 2008 से बंद है प्रबंधन एक बार कुछ भी देकर शुरुआत तो करे ताकि बाद में संघर्ष कर के उसे बढ़वाया जा सके

लेकिन मुख्य मान्यता प्राप्त संघटन BSNLEU चाह रहा है कि कर्मचारियों को किसी भी प्रकार से बोनस प्राप्त न हो के इसलिए BSNLEU इस बात पर अड़ा हुआ है कि हमें 7000 रु से कम बोनस नहीं चाहिये

अब आप सब विचार करें कि जब बोनस पूर्ण रूप से बंद है उसे किसी भी प्रकार से चालू करवाना उचित है या 7000 रु मांग कर बोनस को बंद ही रहने देना उचित है जब प्रबंधन 1100 रू देना चाहती है तो हमें कोशिश करना चाहिये की कम से कम 3000 या 3500 रु साल का बोनस प्रबंधन हमें दे जिसमे सहमति बनने की उम्मीद है या सीधा 7000 रू माँगा जाए जो प्रबंधन किसी भी कीमत में न दे सके

BSNLEU 7000 रू मांग करो ताकि कर्मचारियों को बोनस न मिले NFTE BSNL कर्मचारियों को कुछ तो बोनस मिलना चालू हो ताकि अधिक के लिए संघर्ष किया जा सके जब मिलेगा ही नहीं तो लड़ोगे कैसे